आचार दिनकर (फोल्डर नं. ००१५५८)

मुख्य टाइटल

प्रस्तावना ----------२

પુનર્મુદ્રણ પ્રસંગે ---------- ૫

અંગુલિ નિર્દેશ ---------- ૬

પ્રાસ્તાવિક ---------- ૮

પ્રકાશકિય ---------- ૯

अनुक्रमणिका

प्रथमो विभागः

मङ्गलाचरणपीठिका ---------- १-९

षोशसंस्कारान्तर्गतगर्भाधानसंस्कारविधि ---------- ५-८

पुंसवन संस्कारविधि ----------९

जन्मसंस्कार ---------- १०

सूर्येन्दुदर्शनविधि ---------- ११

अशनसंस्कारविधि ---------- ११

षष्ठीसंस्कारविधि ---------- १२-१३

शुचिकर्मसंस्कारविधि ---------- १४

नामकरणविधि ---------- १५

अन्नप्राशनसंस्कारविधि ---------- १६

कर्णवेधसंस्कारविधि ---------- १७

चूडाकरणसंस्कारविधि ---------- १८

उपनयनसंस्कारविधि ---------- १९-२९

अध्ययनारम्भविधि ---------- ३०

विवाहविधि ---------- ३१-६१

व्रतारोपविधि ---------- ६२-६८

अन्त्यसंस्कारविधि ---------- ६९-७२

यत्याचार ---------- ७३-७६

क्षुक्लकत्वविधि ---------- ७६

प्रव्रज्याविधि ---------- ७६-८३

अनुओगविधि ---------- ८४

उपस्थापनाविधि ---------- ८५-८८

द्वितीयो विभागः

योगोद्वहनविधि ---------- ८९-९१

कालग्रहणविधि ---------- ९२-९४

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

काल पलेववानो, सज्झाय पठाववानो, पाटली करवानो ---------- ९४-९६
आवश्यक योगविधि ---------- ९६
यन्त्रसहितम् ---------- १०८
गणिपद प्रदान, प्रवर्तक, पंन्यास, उपाध्याय, आचार्यपदविधि ---------- १०८-१२५
अहोरात्रचर्या ---------- १२५-२३२
साधूनामृतुचर्या, व्याख्यानविधि ---------- १३३-१४०
अन्तसंलेखनाविधि ---------- १४०-१४४
प्रतिष्ठाविधि ---------- १४५-१४८
क्रयाणकानि ---------- १४९-१५२
पूर्वविधि ---------- १५३
खातविधि, शिलान्यास, कूर्मणप्रतिष्ठा ---------- १५४-१६३
स्नात्रादि-महोत्सवः ---------- १६४-१६७
नंद्यावर्तस्थापना पूजा ---------- १६७-१७०
नवपदपूजा ---------- १७१-१७२
द्वितीयवलय-जिनमातरः ---------- १७२-१७४
तृतीय वलय १६ विद्यादेव्यः ---------- १७४-१७५
चतुर्थ वलय २४ लोकांतिकदेवो ---------- १७५-१७६
पञ्चम वलय ६४ इन्द्राः ---------- १७७-१८२
षष्ठ वलय ६४ इन्द्राण्यः ---------- १८२-१८६
सप्तम वलय २४ यक्षाः ---------- १८६-१८८
अष्टम वलय २४ यक्षिण्यः ---------- १८८-१९९
नवम वलय १० दिक्पालाः ---------- १९१-१९२
दशम वलय ९ ग्रहाः १ क्षेत्रपाल ---------- १९१-१९३
प्रकीर्णक ---------- १९४-१९६
अधिवासनाविधि ---------- १९६
२५ कुसुमाञ्जलयः ---------- १९७-२०६
अभिषेक-स्नात्रादि ---------- २०६-२०८
अष्टमङ्गल पूजा ---------- २०९
नन्द्यावर्त विसर्जन ---------- २१०-२११
ग्रहशान्ति ---------- २१३
चैत्यप्रतिष्ठा ---------- २१४
कलश-प्रतिष्ठा ---------- २१५-२१६
ध्वज प्रतिष्ठा ---------- २१६-२१७
परिकर प्रतिष्ठा ---------- २१७-२१८
देवी प्रतिष्ठा ---------- २१९-२२३

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

क्षेत्रपालादि प्रतिष्ठा----------२२३
सिद्धमूर्ति प्रतिष्ठा----------२२४
देवतासर प्रतिष्ठा----------२२४
मन्त्रपट्ट प्रतिष्ठा----------२२५
पितृ प्रतिष्ठा----------२२५
ग्रह प्रतिष्ठा----------२२६
चतुर्निकाय प्रतिष्ठा----------२२७
गृह-जलाशय ---------- २२७-२२८
प्रकीर्ण पूजा---------- २२८-२२९
अधिवासनानि---------- २२९-२३२
शान्तिकविधि ---------- २३२-२३७
ग्रहनक्षत्र शान्ति---------- २३८-२४६
पौष्टिकविधान ---------- २३६-२४९
बलिविधान----------२५०
प्रायश्चित्तविधिः ---------- २५०-२६५

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org